मौत के बाद क्या होता है? क्या मौत के बाद भी कोई ज़िंदगी होती है? हम सब अपनी ज़िंदगी में इस सवाल के बारे में ना जाने कितनी बार सोचते हैं। लेकिन कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जिनका जुनून, जिनकी सनक उन्हें उस दुनिया की ओर धकेल देती है, जिसमें इंसानों का जाना मना होता है।

Truetales के इस एपिसोड में हम आपको Indian Paranormal Society के founder गौरव तिवारी की कहानी सुनाने वाले हैं। वो गौरव तिवारी जो अमेरिका गये तो commercial pilot बनने के लिए थे, लेकिन वहाँ pilot बनने की जगह वो Paranormal investigator और UFO field investigator बन गये।

गौरव दिल्ली के रहने वाले थे। वो या उनके माँ-बाप में से कोई भी भूत-प्रेत पर यक़ीन नहीं करता था। लेकिन फिर अमेरिका में ही 2002 के क़रीब उनके साथ कुछ अजीब घटनाएँ होने लगी। गौरव वहाँ जिस कमरे में रहते थे, वहाँ उन्हें किसी के होने का एहेसास होने लगा। उन्हें ऐसा लगता जैसे उनके कमरे में कोई और भी रह रहा है, जिसकी energy उन्हें ठीक नहीं लगती थी। इन सब बातों ने गौरव का ध्यान paranormal activities की तरफ़ खींचा। उन्हें यक़ीन होने लगा कि जो दुनिया हमारे सामने होती है, उस दुनिया से परे भी एक दुनिया बसती है।

इस घटना के बाद गौरव ने अमेरिका में ही कई paranormal societies join कर ली। उनके दिल में कई सवाल थे, और उन सवालों के जवाब तलाशने में उनके काम ने भी उनकी बहुत मदद की। क्योंकि गौरव commercial pilot थे, इसलिए वो देश-विदेश में अलग-अलग जगहों पर ट्रैवल करते रहते थे। साथ ही वहाँ मौजूद haunted जगहों को भी visit करते थे।

शुरू-शुरू में तो ऐसा करने में उन्हें बहुत डर लगता था, लेकिन बाद में उनका ये डर curiosity में बदल गया। अब उन्हें भूतों की दुनिया देखने और समझने की लत लग गई। वो इन सब के बारे में research करने लगे। उन्होंने भूतों की दुनिया को scientific तरीक़े से समझने की कोशिश की। जब उन्हें वो दुनिया थोड़ी-थोड़ी समझ आने लगी, तब वो दुनिया को भी उस काली दुनिया के बारे में बताने लगे। वो अक्सर कहाँ करते थे कि “ghosts are nothing, but our consciousness that survives physical death.”

अपनी researches के बाद गौरव ने तय कर लिया, कि वो इन ही सब टॉपिक पर ही काम करेंगे। इसलिए उन्होंने अपनी नौकरी छोड़ दी और भारत आ गये। भारत में आकर उन्होंने अपने ही जैसे कुछ लोगों को ढूँढा। ऐसे लोग जो भूतों की दुनिया के बारे में जानने

को बेक़रार थे। और उन लोगों के साथ उन्होंने यहाँ Indian Paranormal Society बना ली।

गौरव अब अपनी टीम के साथ अलग-अलग haunted जगहों पर जाने लगे, भूतों और paranormal energies की तलाश में। गौरव का investigate करने का तरीक़ा बहुत ही interesting होता था। वो scientific machines, जैसे static detectors वग़ैरह की मदद से investigate करते थे। इनमें से कुछ मशीने तो, उन्होंने ख़ुद ही बनाई थी।

गौरव तिवारी का भूतों से बातें करने का तरीक़ा भी बहुत अनोखा होता था। वो जिस भी haunted जगह पर जाते थे, वहाँ पर मौजूद शक्तियों को अपने से बात करने के लिए कहते थे। और उनसे बात करने का ज़रिया अक्सर उनका static detector होता था। कई बार उसमें movements होते थे। उनके पास एक shadow detection doll भी हुआ करती थी। उस डॉल की एक ख़ासियत थी, जब भी कोई परछाई उसके ऊपर से गुजरती थी, वो doll आवाज़ करने लग जाती थी। media में दिखाये कई videos में वो डॉल बिना किसी के उसके पास आए भी आवाज़ करने लगती थे।

उनका ये तरीक़ा इतना दिलचस्प था, कि उस वक़्त इंडिया के कई news channels ने उन्हें cover करना शुरू कर दिया। वो लोग गौरव तिवारी और उनकी टीम के साथ haunted जगहों पर जाते, और उनके पूरे process का वीडियो रिकॉर्ड करके tv पर दिखाते थे। Indian Paranormal Society की website के हिसाब से गौरव ने 6000 से भी ज़्यादा haunted जगहें visit की थी। इन जगहों में भानगढ़ के क़िले जैसी, one of India's most haunted जगहें भी शामिल है।

गौरव तिवारी जो भी करते थे उसमें कितनी सचाई थी, ये तो हम नहीं जानते। ना ही हम ये जानते हैं कि भूत होते हैं या नहीं। लेकिन गौरव तिवारी उस वक़्त media के लिए बहुत TRP ज़रूर बटोरा करते थे। और ये तो होना ही था, लोगों को भूतों की कहानियाँ सुनने में मज़ा ही इतना आता है।

लेकिन जो गौरव तिवारी भूतों की रहस्यमयी दुनिया में कूद पड़े थे, उन्हीं गौरव तिवारी की मौत भी एक रहस्य बन गई। उनकी मौत की कहानी शुरू हुई, 6 जुलाई 2016 की शाम से। 6 जुलाई की शाम गौरव दिल्ली के जनकपुरी इलाक़े में एक जगह पर गये। वहाँ कहते हैं, कोई लड़की थी जिसपर भूत का साया था। और उस ही को देखने के लिए गौरव वहाँ गए थे।

वो वहाँ क़रीब रात के डेढ़ बजे तक अपनी टीम के साथ investigation करते रहे। और उसके बाद अपने घर लौट आये। उनके देर से घर लौटने के कारण, हर बार की तरह उनका अपनी पत्नी से झगड़ा हुआ। झगड़ा जब ख़त्म हुआ, वो दोनों सो गए।

उसके बाद आया 7 जुलाई का दिन। उस रोज़ गौरव सुबह उठे, सुबह तक दोनों पति-पत्नी झगड़ा भूल चुके थे। गौरव अपने काम में लगे। उन्होंने अपना थोड़ा बहुत काम किया और उसके बाद वो बाथरूम में नाहने के लिये चले गये।

उनके बाथरूम में जाने के थोड़ी देर बाद ही, बाथरूम से कुछ ज़ोरों से गिरने की आवाज़ आई। उनकी पत्नी और उनके पिता, उस आवाज़ को सुनकर बाथरूम की ओर भागते हुए आये। बाथरूम का दरवाज़ा अंदर से बंद था। उन लोगों ने जैसे-तैसे दरवाज़ा खोला। जब दरवाज़ा खुला तो सामने जो मंज़र था, उसे देख कर गौरव तिवारी के पूरे परिवार के होश उड़ गये।

गौरव बाथरूम के फ़र्श पर मरे पड़े थे। उनके गले पर एक अजीब सा काला निशान था। उनकी बॉडी और autopsy रिपोर्ट के बाद, पुलिस का मानना ये रहा कि गौरव तिवारी ने अपनी पत्नी से मन-मुटाव होने के कारण suicide कर लिया था। और वो काला निशान किसी दुप्पटें जैसी चीज़ का रहा होगा, जिसपर लटकर उन्होंने आत्महत्या की थी।

पुलिस के हिसाब से तो गौरव तिवारी की मौत एक suicide थे। लेकिन उनके परिवार के लोग इस बात को नहीं मानते। उन लोगों का कहना था कि गौरव किसी भी बात को लेकर इतने depressed नहीं थे की वो ख़ुद की जान ले ले। उन लोगों के हिसाब से छोटे-मोटे झगड़ें हर घर में होते हैं, उसके कारण को आत्महत्या नहीं करता।

उनकी पत्नी और उन्हें जानने वालों का मानना है गौरव तिवारी की। मौत के पीछे किसी आत्मा का हाथ था। उनकी पत्नी ने बयान भी दिया था कि गौरव अपनी मौत से पहले, कुछ हफ़्तों से कह रहे थे कि कोई बुरा साया था जो उनके पीछे पड़ गया था। वो उन्हें परेशान कर रहा था। और शायद उस ही साये ने उनकी जान ली थी।

अब गौरव ने वाक़ई suicide किया था या ये किस भूत-प्रेत का काम था ये तो एक राज़ है। लेकिन जो भी हो, ये बात सच है कि क़ुदरत में कई ऐसी शक्तियाँ हैं, जो इंसान की पहुँच से बाहर है। और बेहतर ही होगा की इंसान ऐसी शक्तिओं के आड़े ना आए।